

फर्द अहकाम

(नियम 26)

अज अदालत उपरकोट अधिकारी मुकाम आरवेरी

वाजेन्द्र बनाम राधेश्याम

किस्म मुकदमा नं. 6/गोपग/22 सन्

अर्कात III 120 1977

| तारीख हुकम | हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज   | नम्बर व तारीख अहकाम जो इस हुकम की तामील में जारी हुए |
|------------|---|--|
| 20-1-22    | <p>साइस्टे की रिपोर्ट लेकर प्राथमिक पत्र पेश हुआ वकील प्राथमिक उपस्थित प्राथमिक-पत्र दर्ज राजीपुत्र हो अज्ञातगण को जर्म नो रिथ तलबकर पत्रवाली डिमांड 10-3-22 को पेश हो।</p>   |  |
| 10-3-22    | <p>पत्रवाली पेश हुई अभिभाजनक उभय पक्ष उपस्थित हैं। आज श्रीमान उपरकोट अधिकारी शब्द कार्यवाही बाहर क्षेत्र में तलब कर रहे हैं। अन्य कार्य में व्यस्त हैं। अभिभाजनगण कन्डोलेंस पर है। अतः पत्रवाली सादिक कार्यवाही हेतु दिनांक <u>26-4-22</u> को पेश हों।</p>  |  |
| 26-4-22    | <p>पत्रवाली पेश हुई वकील प्राथमिक उपस्थित अज्ञात स.। की ओर से श्री कमल पारेली एडवोकेट ने वकालतनामा के साथ जकार प्राथमिक पत्र पेश किया जकार डिलवर्स आकर उपस्थित पत्रवाली किया गया पत्रवाली का निरीक्षण किया जा रहा है। प्रत्येक में निरीक्षण इस प्रकार की कि प्रत्येक ने प्राथमिक पत्र उक्त कर कशन किया कि प्राथमिक की खातेचयी कृषि भूमि खसरा नं. 683/4 रकबा 1.00 एकर वाले ग्राम मोहनपुर तहसील इन्दौर में स्थित ही प्राथमिक स.। आये दिन प्राथमिक के खाते की सीमा को अपनी बताकर विवाद उत्पन्न</p> |  |

| तारीख<br>हुता | हुता या कार्यवाही मय इनिशियल जज  | फाइल नं.<br>दिनांक<br>पृष्ठ सं. |
|---------------|--|---------------------------------|
|               | <p>           कक्षा रहता है तथा पार्श्व की सीमा को भी<br/>           आने से ही सीमा में गीलाना रहता है<br/>           और निर्धारण किया कि पार्श्व के अंगोदारी<br/>           कृषि भूमि सं. 683/4 कक्षा 100 ई.म.<br/>           का सीमांकन करवाया जाकर पत्थर गड़ी करवाये<br/>           जाने का आदेश करवाया जावे।         </p> <p>           अपाथ सं. 1 ने जमान पार्श्वनाम<br/>           प्रस्तुत कर करण किया अपाथ सं. 1 का सीमा<br/>           लाकर को ही निर्धारण नहीं किया पार्श्व का<br/>           पत्थर गड़ी करवायी जाती है अपाथ सं. को को ही<br/>           एतराज नहीं है।         </p> <p>           दूसरे का पत्थर गड़ी का अवलोकन किया<br/>           गया पत्थर गड़ी पर उपलब्ध दस्तावेजों के अवलोकन<br/>           से पार्श्व का पूरक में सीमांकन करके<br/>           को ही दस्तावेज पेश नहीं किये जाये है<br/>           जिससे यह पतीत होता कि सीमा पर<br/>           निर्धारण ही और न ही इस प्रकार का पार्श्वनाम<br/>           पूरक में प्रस्तुत किया गया है. अतः<br/>           पार्श्व को सीमांकन का अनुरोध न्यायाधीन<br/>           में दिया जाना उचित समझते है।         </p> <p>           अतः पार्श्वनाम का पार्श्वनाम<br/>           आशिक स्वीकार किया जाता है तहसीलदार<br/>           इन्द्रगढ़ को आदेशित किया जाता है कि<br/>           पार्श्वनाम की खातेवासी कृषि भूमि सं. 683/4 कक्षा 100 ई.म. को<br/>           मोहनपुर तहसील इन्द्रगढ़ में स्थित कृषि<br/>           भूमि का उभयपक्ष की उपस्थिति में<br/>           सीमाओं का निर्धारण करते हुए पार्श्वनाम<br/>           की भूमि पर पत्थर गड़ी करवायी जावे।         </p> |                                 |

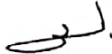
इस  
में  
हुकूम

हुकूम या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो इस  
हुकूम की तामील  
में जारी हुए

पेगावली कमल शुभार घोर कर काड तम्बील  
कारिकल दम्तर हो ।

निर्णय आज दिनांक 26-4-22को  
निश्चयवाच्य जाकर खुले न्यायालय में  
सुनाया गया ।

  
अपकण्ड अधिकारी  
नाचरी (दुबरी)